

## Protection For Bank Depositors

Bank Deposits upto Rs. 5,00,000/- in respect of each depositor are fully protected by the Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation under the deposit Insurance Scheme. The Scheme covers all commercial banks (including Regional Rural Banks) operating in India and also co-operative banks in States and Union Territories to which the Scheme has been extended by the Central Government. These banks are registered as insured banks with the Corporation.

The Corporation's liability in respect of insured deposits will arise in the following cases:

If a bank goes into liquidation: The Corporation will arrange to pay every depositor directly or through the liquidator the amount due to him under the insurance scheme.

If a bank is reconstructed or amalgamated with another bank and the scheme of reconstruction or amalgamation does not entitle a depositor to get credit for the full amount of his deposit: The Corporation will arrange to pay the reconstructed bank or the amalgamated bank an amount equivalent to the shortfall between the amount due to the depositor under the insurance scheme and the amount of credit received by him under the scheme of reconstruction or amalgamation.

### DEPOSIT INSURANCE AND CREDIT GUARANTEE CORPORATION, MUMBAI.

#### बैंक के जमाकर्ताओं की सुरक्षा

प्रत्येक जमाकर्ता के पक्ष में रु. 5,00,000 तक की बैंक में जमा राशि डिपॉज़िट इंश्योरेंस स्कीम के अंतर्गत डिपॉज़िट बीमा ऐंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन द्वारा पूरी तरह सुरक्षित होते हैं। इस योजना में भारत में कार्यरत सभी व्यावसायिक बैंक (प्रादेशिक ग्रामीण बैंकों समेत) और साथ ही राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सहकारी बैंक भी शामिल हैं, जिनके लिये केंद्र सरकार द्वारा योजना का विस्तार किया गया है। इन बैंकों को निगम के साथ बीमित बैंकों के रूप में रजिस्टर किया गया है।

बीमित जमाकर्ताओं के संबंध में निगम की देयता निम्नलिखित मामलों में उत्पन्न होगी:

**अगर बैंक दीवालिया हो जाता है:** निगम सीधे या ऋणशोधक के माध्यम से प्रत्येक जमाकर्ता को उसकी बकाया राशि के भुगतान की व्यवस्था करेगा।

अगर कोई बैंक किसी अन्य बैंक के साथ पुनर्गठित या एकीकृत किया जाता है और पुनर्गठन या एकीकरण की योजना जमाकर्ता को उसकी पूरी जमा राशि प्राप्त करने का अधिकार नहीं देती: तो निगम पुनर्गठित बैंक या एकीकृत बैंक को बीमा योजना के अंतर्गत जमाकर्ता को देय राशि और पुनर्गठन या एकीकरण की योजना के अंतर्गत उसे प्राप्त राशि के बीच का अंतर पुनर्गठित या एकीकृत बैंक को देने की व्यवस्था करेगा।

**डिपॉज़िट इंश्योरेंस ऐंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन, मुंबई (जमा राशि बीमा एवं ऋण गारंटी निगम, मुंबई)**

#### ब्यांक जमाकाराइंक पाइं सुरक्षा

प्रत्येक जमाकाराइंक पाइं ८. 5,00,000/- पर्याप्त ब्यांक जमा, जमा बामा योजना अन्तर्गत जमा बामा एवं क्रेडिट गारेण्टी कर्पोरेशन द्वारा सम्पूर्ण सुरक्षित थते। एहि योजना भारतरे लार्यप क्रूथ्वा समष्ट बाणिज्यिक ब्यांक (आष्टलिक ग्रामीण ब्यांक समेत) एवं राज्य देश केन्द्रशासित अञ्चलर यमायाघ ब्यांकगृहित् मध्य अन्तर्भूत करे येति एहि योजनाकू बेन्द्र यरकार बिष्टार करिछन्ति। एहि ब्यांकगृहित् निगम सहित बामाभूत ब्यांक भावरे पञ्जिकृत थते।

बामाभूत जमा यम्भरे निगमर देव्हता निम्लिक्षित शेत्ररे उपन्न हेब:

**यदि कोण्यि ब्यांक लिक्युदेव्हन्कू याएः:** कर्पोरेशन प्रत्येक जमाकाराइंक् यिधायलक्ष किया लिक्यु तेत्रे माध्यमरे बामा योजना अधीनरे देव्ह राशि प्रदान करिबार ब्यवस्था करिब।

**यदि कोण्यि ब्यांक पुनर्नीमाण किया अन्य ब्यांक सहित मिश्रित हुए एवं पुनर्नीमाण किया मिश्रित योजना जमाकाराइंक् ताङ्क जमा राशि पाइं क्रेडिट पाइकाराकू अधिकार दिए नाहिः निगम पुनर्नीमाण ब्यांक किया मिश्रित ब्यांककू यमान परिमाणर अर्थं प्रदान करिबाकू ब्यवस्था करिब याहा बामा योजना अन्तर्गत जमाकाराइंक देव्ह राशि एवं पुनर्नीमाण किया मिश्रित योजना अधीनरे ताङ्क हारा प्राप्त रण परिमाण मध्यरे निअस्ति।**

**बरिष्ट ष्टु गरिक एवं उन्नक्षम ब्यक्तिङ्क पाइं ब्यांक सुविधा।**